प्रश्न –जर्मनी में नाजीवाद के उत्थान के कारणों पर चर्चा करें और हिटलर के द्वारा अपनाई गई रणनीतियाँ नाजी पार्टी की प्रगति में कैसे सहायक रही? (200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

नाजीवाद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रथम पैरा

नाजीवाद के उत्थान के कारणों को बतायें जिसमें आप निम्न बिंदुओं को शामिल कर सकते हैं।

- वर्साय की अपमानजनक संधि।
- आर्थिक मंदी से उत्पन्न हालात (सभी वर्ग आर्थिक परेशानियों से ग्रस्त थें)
- जर्मनी में बोल्शेविकवाद का खतरा था अतः पूंजीवाद एवं धनी कृषक ने नाजीवाद को प्रोत्साहित किया।
- देश में व्याप्त उथल-पुथल को वाइमर गणतंत्र ठीक नहीं कर पाया आदि कारणों पर चर्चा करें।

द्वितीय पैरा में

- हिटलर अपनी व्यावहारिक बुद्धि से नाजीदल को सफल बनाया तथा रणनीति नेतृत्व दिया। हिटलर ने चिंता की राजनीति से लाभ उठाया तथा हर वर्ग को सुधार का आश्वासन देकर अपने पक्ष में कर लिया।
- वाइमर गणतंत्र की असफलता का लाभ उठाया तथा जर्मनी की जनता को यह एहसास कराया कि वर्साय की संधि का उल्लंघन कर जर्मनी को दुनिया में उचित स्थान व प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करेगा।
- हिटलर ने भय के वातावरण का लाभ व अवसर का लाभ लिया। 1921 में सदस्य के रूप में नाजीदल में आया किंतु धीरे-धीरे 1933 तक चांसलर का पद प्राप्त किया।
- शक्ति का केन्द्रीयकरण, सैन्यीकरण, 25-सूत्रीय कार्यक्रम आदि पर चर्चा, बेरोजगारी की समस्या से निराकरण के लिए सार्वजनिक कार्य, पुनर्शस्त्रीकरण, आर्थिक योजनाओं आदि से जर्मनी को सुदृढ़ किया।
- हिटलर कलाकार एवं लेखकों के साथ-साथ रोमन कैथोलिक चर्च के साथ भी समझौता किया अर्थात् धर्म के साथ सामंजस्य स्थापित किया।
- हिटलर ने कुछ-नकारात्मक कार्य भी किये-यहूदियों का दमन सिविल सेवा से उनको वंचित करना आदि।

अंत संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।